This question paper contains 8+4 printed pages]

आपका अनुक्रमांक.....

4589

B.A. (Programme)/II/III C

HINDI LANGUAGE (A)—Paper II

हिंदी भाषा (क)— प्रश्न-पत्र II

(प्रवेशवर्ष 2004/2006 और तत्पश्चात् नियमित कॉलेजों के

विद्यार्थियों के लिए/NCWEB के विद्यार्थियों के लिए)

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 75

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।)

टिप्पणी : प्रश्न-पत्र पर अंकित पूर्णांक नियमित कॉलेजों (श्रेणी 'A') के विद्यार्थियों के लिए अनुप्रयोज्य हैं । तथापि ये अंक NCWEB के विद्यार्थियों के संबंध में उनके परिणाम के संकलन के लिए नियुक्त अधिनिर्णय के समय पर, उनके आनुपातिक रूप में अधिक होंगे ।

P.T.O.

1. निम्नलिखित अनुच्छेद आपके पाठ्यक्रम में निर्धारित पाठों से लिए गए हैं । किन्हीं **दो** अनुच्छेदों के नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 8+8=16

(क) फैलाती है जब उषा राग
जग जाता है उसका विराग
वंचकता, पीड़ा, घृणा, मोह
मिलकर बिखेरते अंधकार,
धीरे से वह उठता पुकार–
मुझको न मिला रे कभी प्यार ।

(*i*) उपर्युक्त पंक्तियों का शीर्षक व कवि का नाम लिखिए ।

(*ii*) कवि यहाँ किसके 'विराग' के जगने का उल्लेख कर रहा है ?

(iii) उषा-काल में कौनसी प्रवृत्तियाँ मिलकर अंधकार बिखेरती हैं ? इस कविता के संदर्भ में स्पष्ट कीजिए ।

(iv) 'राग' तथा 'पीड़ा' के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए ।

(ख) उसने तो अपने किए का फल पा लिया, पर मैं समस्या का समाधान नहीं पा सकी । इस बार की असफलता ने तो बस मुझे रुला ही दिया । अब तो इतनी हिम्मत भी नहीं रही कि एक बार फिर मध्यम वर्ग में अपना नेता उत्पन्न करके फिर से प्रयास करती । इन दो हत्याओं के भार से ही मेरी गर्दन टूटी जा रही थी, और हत्या का पाप ढोने की न इच्छा थी, न शक्ति ही । और अपने सारे अहं को तिलांजलि देकर बहुत ही ईमानदारी से मैं कहती हूँ कि मेरा रोम-रोम महसूस कर रहा था कि कवि

भरी सभा में शान के साथ जो नहला फटकार गया था, उस पर इक्का तो क्या, मैं दुग्गी भी न मार सकी । मैं हार गई, बुरी तरह हार गई ।

(*i*) उपर्युक्त अनुच्छेद किस पाठ से लिया गया है ? उसके लेखक का नाम लिखिए ।

(*ii*) लेखिका किन दो हत्याओं की बात कर रही है ?

(*iii*) कवि ने भरी सभा में शान के साथ क्या नहला मारा था ?

(*iv*) 'नहले पर दहला' मुहावरे का अर्थ बताते हुए इसका वाक्य में प्रयोग कीजिए ।

(ग) वास्तव में अंग्रेजी शब्दों का सार्थक होना अंग्रेजों के लिए है, हमारे लिए नहीं । अंग्रेज़ी का सारा इतिहास लेटिन के साथ सम्बद्ध है । संस्कृति के, भाषा के और परंपरा

के उनके जितने भी स्रोत हैं, वे सब लेटिन से आए हैं । इसी प्रकार हमारी संस्कृति, भाषा और परंपरा का संबंध संस्कृत से है । जिस भाषा का संबंध हमारे जीवन, इतिहास और सभ्यता से हो, उसी प्रकार की भाषा और सभ्यता हम प्राप्त करते हैं । इसे हम 'आकर' भाषा कहते हैं । हमारी आकर भाषा संस्कृत है .....। जिसको हिंदी से अथवा किसी भी भारतीय भाषा से प्रेम है उसे यह देखना होगा कि उसकी भाषा का आदि रूप क्या है । चन्दरवरदाई, तुलसीदास आदि को ले लीजिए । इनकी रचनाओं का एक-एक शब्द संस्कृतनिष्ठ है ।

(*i*) उपर्युक्त अनुच्छेद किस पाठ से लिया गया है ? उसके लेखक का नाम लिखिए ।

(*ii*) 'आकर' भाषा किसे कहते हैं ? हमारी आकर भाषा कौनसी है ?

(*iii*) लेखक ने यहाँ किन कवियों की भाषा को संस्कृतनिष्ठ कहा है ?

(*iv*) अंग्रेज़ी का सारा इतिहास किस भाषा के साथ संबद्ध है ? लेखक के अनुसार अंग्रेजी हमारे लिए सार्थक क्यों नहीं है ?

2. किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 3×3=9

(*i*) गाँधीजी ने चरखे को स्वाधीनता का प्रतीक क्यों बनाया ? (चरखवा चालू रहे)

(*ii*) 'मुझे कदम-कदम पर' कविता में मुक्तिबोध ने लेखक की किन कठिनाइयों का उल्लेख किया है ?

(*iii*) 'तूफान के विजेता' के आधार पर बंगाल की जिजीविषा का वर्णन कीजिए ।

(*iv*) अव्यावसायिक रंगमंच के सामने किस प्रकार की समस्याएँ आती हैं ? (पर्दा उठाओ! पर्दा गिराओ!)

(*v*) बाज़ार का जादू किन स्थितियों में प्रभाव नहीं डालता ? (बाज़ार दर्शन)

3. संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

(*i*) राष्ट्रभाषा का स्वरूप 4

(*ii*) ब्रजभाषा का सामान्य परिचय 4

(*iii*) देवनागरी लिपि की विशेषताएँ । 4

4. निम्नलिखित अपठित अंश के आधार पर उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 6

किसी समाज का पता उसके धनाढ्य व्यापारियों, सरकारी अधिकारियों तथा कर्मचारियों को देखकर उतना नहीं चलता जितना उसके बेकार आदमियों को देखकर । बेकार घूमने वाले आदमी ही किसी समाज की व्यवस्था का सच्चा हाल प्रकट करते हैं । आज देश में लाखों किसान-मजदूर पड़े हैं, कितने ही शरणार्थी आश्रयहीन की दशा में घूम रहे हैं, बेकारी की दशा में लेखकों

की कलमें शिथिल हो रही हैं, खून की स्याहियाँ सूख रही हैं, साँसों के तार-तार हो रहे हैं, हिंदुस्तान इनमें छिपा है, उन अंधेरी घाटियों में जहाँ दिन नहीं आते, केवल रातें रहती हैं, वह उन अट्टालिकाओं और धवल सौध-शिखरों में नहीं हैं, जो सोने की चमक में भली-भाँति प्रकाशित हैं । इस समाज का चित्रण भी वही कलम करेगी जो किसी रुपये की गुलाम नहीं, बल्कि बेकार पड़ी है । उन बेकारों के हुजूम की तरह उनके साथ चलती है, उनसे बोलती है, उनकी सुनती है ।

(i) उपर्युक्त अनुच्छेद का उचित शीर्षक लिखिए ।

(ii) लेखक के अनुसार हिंदुस्तान कहाँ छिपा है ?

(iii) हिंदुस्तान के इस समाज का चित्रण करने के लिए किस प्रकार की कलम अपेक्षित है ?

5. हिंदी में अनुवाद कीजिए :

During last few years an increasing number of farmers have sho... lack of interest in farming and the people who used ... caltivate are migrating to other areas. The most import... challenge in front of government is how to sustain fast growing population. Organic farming is one way to promote either self-sufficiency or food security. From last few years we have seen the breeding of new crop varieties that could effectively use massive inputs of chemical fertilizers, which poisons the land and water heavily.

6. निम्नलिखित कथांश का संवाद शैली में रूपान्तरण कीजिए : 6

बाज़ार में, फुटपाथ पर कुछ खरबूजे डलिया में और कुछ ज़मीन पर बिक्री के लिए रखे जान पड़ते थे । खरबूजों के समीप

एक अधेड़ उमर की औरत बैठी रो रही थी । ..... पड़ोस की दुकानों के तख्तों पर बैठे या बाज़ार में खड़े लोग घृणा से उसी स्त्री के संबंध में बात कर रहे थे । उस स्त्री का रोना देखकर मन में एक व्यथा-सी उठी, पर उसके रोने का कारण जानने का क्या उपाय था ? एक आदमी ने घृणा से एक तरफ थूकते हुए कहा– "क्या जमाना है! जवान लड़के को मरे पूरा दिन नहीं बीता और ये बेहया दुकान लगा के बैठी है ।"

दूसरे साहब अपनी दाढ़ी खुजाते हुए कह रहे थे – "अरे जैसी नीयत होती है अल्ला भी वैसी ही बरक्कत देता है ।"

सामने के फुटपाथ पर खड़े एक आदमी ने दियासलाई से कान खुजाते हुए कहा – " अरे, इन लोगों का क्या है ? यह कमीने लोग रोटी के टुकड़े पर जान देते हैं । इनके लिए बेटा-बेटी, खसम-लुगाई, धर्म-ईमान सब रोटी का टुकड़ा है ।" परचून की

दुकान पर बैठे लालाजी ने कहा– "अरे भाई, उनके लिए मरे-जिये का कोई मतलब न हो, पर दूसरे के धर्म-ईमान का खयाल करना चाहिए ।"

7. (क) शब्द-शक्ति की परिभाषा देते हुए उसके भेदों का उल्लेख कीजिए । 4

(ख) निम्नलिखित लाक्षणिक प्रयोग को स्पष्ट कीजिए : 4

अबला जीवन हाय तुम्हारी यही कहानी ।

आँचल में है दूध और आँखों में पानी ।

(ग) निम्नलिखित पंक्तियों में निहित व्यंग्यार्थ को स्पष्ट कीजिए : 4

बाप बेटे की करतूत देखकर उसके भविष्य की घोषणा करता है, "यह साला तो आजकल का नेता बनेगा ।"

8. (क) द्विभाषी कोश किसे कहते हैं ? किन्हीं दो द्विभाषी कोशों के नाम लिखिए । 4

(ख) हिंदी शब्दकोश में प्रविष्टि के लिए निम्नलिखित शब्दों को वर्णक्रमानुसार लिखिए : 4

कल्पना, हस्तक्षेप, प्रस्थान, निर्वाचन, शास्त्र, मिन्नत, स्वाद, क्षेत्र ।